रपड़ी बना पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन विकास का मॉडल

सौर ऊर्जा व पर्यावरण-अनुकूल सुविधाओं से बदली इसकी तस्वीर, 3.47 करोड़ की लागत से फिरोजाबाद में विकसित होंगी नई सुविधाएं

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस पर फिरोजाबाद का रपड़ी ईको टूरिज्म एक मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। कभी साधारण प्राकृतिक स्थल रहा रपड़ी आज पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन विकास का उदाहरण बना है।

यहां प्रकृति को सुरक्षित रखते हुए पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, जिससे यह प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है।

रपड़ी में नेचर ट्रेल, व्यूइंग प्वाइंट, पर्यावरण-अनुकूल सुविधाएं और सौर ऊर्जा आधारित व्यवस्थाएं हैं। इन्हें आसपास के प्राकृतिक वातावरण के अनुरूप विकसित किया गया है। इन प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए सरकार यहां 3.47 करोड़ की नई सुविधाएं विकसित करेंगी। इसके तहत पार्क में आधुनिक इंटरप्रटेशन सेंटर, बच्चों के लिए नेचर लर्निंग जोन, सोलर फोटोवोल्टिक सिस्टम बनेगा।

साथ ही पाथवे, नया प्रवेश द्वार, बलुआ पत्थर से बने बैठने के स्थान, साइनेज और आकर्षक लैंडस्केपिंग विकसित की जा रही है।

इसके अलावा बच्चों और परिवारों को प्रकृति व जैव विविधता से जोड़ने के लिए मगरमच्छ, डॉल्फिन, कछुआ, लकड़बग्घा और अजगर जैसे वन्यजीवों की वास्तविक आकार की प्रतिकृतियां स्थापित की जा रही हैं। वहीं इंटरप्रटेशन सुविधा केंद्र में स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र, वन्यजीवों के आवास और संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि रपड़ी राज्य में संरक्षण आधारित पर्यटन विकास का एक उदाहरण है। यह परियोजना दिखाती है कि पर्यावरण के प्रति संवेदनशील आधारभूत ढांचा विकसित करके प्राकृतिक स्वरूप को बिना नुकसान पहुंचाए पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाया जा सकता है।

यहां वर्तमान में चल रहे कार्य परिवारों के लिए और अधिक आकर्षक प्रकृति पर्यटन स्थल बनाएंगे।